An Initiative of CollCom

collcom
Empowering Youth through Community Service

Vol 5, Issue April 2023

CYBER संस्कार

साइबर अपराध के खिलाफ एक कदम

FRAUD

LIMITED OFFER

WARNING

Apple i-phone pro max in Rs. 20,000/- only

HELPFUL TIPS

CARDING FRAUD!

(unauthorized use of credit cards)

विषय-सूची

Carding Fraud

- *परिचय*
- *फ्रॉड के विभिन्न तरीके*
- *सच्ची घटनाओं के माध्यम से फ्रॉड को समझना*
- *बचने के उपाय और सत्यता की जांच के तरीके*
- *फ्रॉड होने पर शिकायत कहाँ करे।*

SPECIAL REPORT

'CARDING' करने के नाम पर ठगी का अंबार!

WARNING

light in surat: Gang involved in cheating credit card holders busted, six arrested

Rs 3.67-cr fraud comes to light in surat: Gang involved in cheating credit card holders busted, six arrested

Police also froze 115 bank...

Hindi News >> टेक

Netflix यूजर्स सावधान! Hackers ने ढूंढ निकाला आपको कंगाल बनाने का नया तरीका; आप भी जानिए

WIRED

Feds Arrest 24 in Global Carding Ring Bust

Two dozen people were arrested around the globe on Tuesday in what authorities are calling "breathtaking spectrum of cyber schemes and scams" that involved buying and selling bank card details, stolen identities, counterfeit documents, and sophisticated hacking tools on an undercover forum. Among those arrested is a purported member of the noisy hacking [...]

Amazon Return Request Turned Into Credit Card Fraud; Second Case In Two Weeks In Mumbai

A 67-year-old retired sales tax officer was duped of more than Rs. 1 lakh while posting a refund request on the Amazon app. This is the se...

Latest In Maharashtra

THE TIMES OF INDIA

Kolkata Chennai Agra Agartala Ahmedabad Ajmer Allahabad

TRENDING TOPICS

Rs 13 lakh lost in card fraud in Mumbai

TNN / Updated: Jan 14, 2023, 06:59 IST

Over 1.2 million credit card numbers leaked on hacking forum

Dark web carding site BidenCash released the details as part of a site promotion

Add bookmark

Bleeping Computer

BidenCash market leaks over 2 million stolen credit cards for free

A carding marketplace known as BidenCash has leaked online a free database of 2165700 debit and credit cards in celebration of its first...

टी20 लीग 2023 मध्यप्रदेश

कर्नाटक चुनाव # नरेंद्र मो...

होम / छत्तीसगढ़ / रायपुर

Crime News: छत्तीसगढ़ में अब तक का सबसे बड़ा क्रेडिट कार्ड लोन घोटाला, पुलिस ने गिरफ्तार किए आरोपित

INDIA TODAY

News / Technology / News / Madhya Pradesh woman falls for a new SBI credit card scam, loses Rs 23,000 from bank account

Madhya Pradesh woman falls for a new SBI credit card scam, loses Rs 23,000 from bank account

The woman received a call from an unknown caller who introduced himself as an officer of a credit company. He duped her for Rs 23,000 on pretext of increasing her credit card limit.

INDIA TODAY

Mumbai woman loses Rs 7 lakh after activating credit card on her new Android phone, check details

The iPhone user received a call from an unknown number who impersonated himself as a bank official and offered her a credit card, a membership to a club, and even a free Android phone. After falling for the trick she lost Rs 7 lakh.

SPECIAL REPORT

CARDING FRAUD

संघीय व्यापार आयोग (FTC) की रिपोर्ट है कि क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, Identity Theft (पहचान की चोरी) का सबसे आम रूप है। एक वर्ष में Identity Theft के 1,33,000 से अधिक मामले सामने आये हैं जिनमें सिर्फ क्रेडिट कार्ड के 3,000 से अधिक मामले शामिल हैं, और ये देखा गया है की लगभग 92% धोखाधड़ी लेनदेन में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया जाता हैं।

Source: SQN Banking Systems

कार्डिंग फ्रॉड क्या है ?

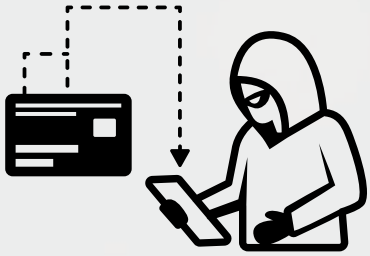

कार्डिंग एक प्रकार का क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी है जिसमें ऑनलाइन या व्यक्तिगत रूप से अनधिकृत खरीदारी (unauthorized transactions) या शुल्क लेने के लिए (processing fees), चोरी या समझौता किए गए क्रेडिट कार्ड की जानकारी का अवैध रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

यदि आसान शब्दों में कहें तो कार्डिंग का मतलब किसी के क्रेडिट कार्ड की डिटेल चुराकर निजी फायदे के लिए इस्तेमाल करना है।

कार्डिंग फ्रॉड के विभिन्न तरीके

फर्जी कन्फर्मेशन कॉल

आपको हैकर (फ्रॉड बैंकर) से एक KYC अपडेट या क्रेडिट कार्ड एक्टिवेशन या ऑनलाइन शॉपिंग ट्रांसक्शन्स के सम्बन्ध में कॉल आयेगा और वह आपसे आपके कार्ड के विवरण जैसे **कार्ड नंबर, कार्ड एक्सपायरी (expiry date) तिथि, CVV** number की पुष्टि करने के लिए बोला जायेगा और आप डिटेल्स शेयर करते ही फ्रॉड का शिकार बन जाते है।

QUICK TIPS **याद रखें** कि कोई भी बैंक और सम्बंधित अधिकारी आपसे कार्ड विवरण शेयर करने के लिए कभी नहीं कहता है, अगर वो कहता है तो **तुरंत मुँह पर ताला** लगाये।

धोखाधड़ी वाली वेबसाइटें

नकली वेबसाइट (Phishing Website) इस डिजिटल दुनिया में सबसे आसान और आम तरीका है जहां आपको बिल्कुल मिलता जुलता ओरिजिनल वेबसाइट की डुप्लीकेट जानकारी शेयर की जाती है, जब आप ऐसे नकली वेबसाइट से शॉपिंग करते है और अपने कार्ड का विवरण और पिन दर्ज करते है, तो आपके कार्ड की सारी जानकरी हैकर के पास पहुँच जाती है और आप कार्डिंग फ्रॉड का शिकार बन जाते है।

QUICK TIPS नकली वेबसाइट को पहचानने के लिए उसके **वेबसाइट के एड्रेस (URL)** को ध्यान से देखे।

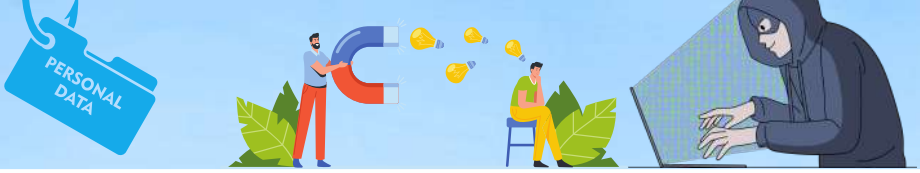

कार्डिंग फ्रॉड के विभिन्न तरीके

एटीएम स्किमिंग (ATM SKIMMING)

हैकर्स अक्सर ऐसे एटीएम मशीनों को अपना टारगेट बनाते है जहाँ पर गार्ड तैनात नहीं होते है। ऐसे एटीएम पर स्किम्मिंग डिवाइस और हिडन कैमरा जैसा की चित्र में दिखाया गया है इनस्टॉल कर देते हैं ताकि जब कोई व्यक्ति कैश निकालने के लिए एटीएम में अपना कार्ड लगाता है और विवरण दर्ज करता है तो वो सारी जानकारी स्किम्मर डिवाइस में कैप्चर हो जाती है और हिडेन कैमरा के माध्यम से पिन चुरा लिया जाता है। आपकी चुराई गयी कार्ड की जानकारी से डुप्लीकेट ATM कार्ड बनाकर फ्रॉड ट्रांसक्शन किया जाता है।

POS (Point of Sale) Skimming

POS का मतलब प्वाइंट ऑफ सेल है। अधिकांश शॉपिंग मॉल्स/रेस्टुरेंट/बिज़नेस-ओनर पीओएस सिस्टम का इस्तेमाल अपने कस्टमर से पेमेंट रिसीव करने के लिए करते हैं। हैकर POS में भी स्किम्मिंग डिवाइस इनस्टॉल करके आपके कार्ड की जानकारी चुराते है। बताये गए चित्र को भी समझकर आप स्किम्मिंग डिवाइस को पहचान सकते है।

QUICK TIPS

1. किसी भी ATM मशीन में जहाँ गार्ड तैनात न हो, कोशिश करे उस एटीएम से पैसे न निकाले, अगर विकल्प न हो तो चित्र में दिखाए गये दिशा निर्देश का जरूर ध्यान रखे, एटीएम PIN इंटर करते समय अपने दूसरे हाथो को ऊपर रखकर जरूर ढके ।

2. POS पॉइंट ऑफ़ सेल डिवाइस से पेमेंट करते समय डिवाइस को जरूर ध्यान से देखे और पेमेंट अपने सामने ही करे

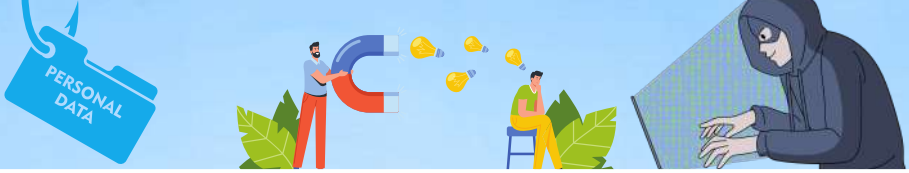

कार्डिंग फ्रॉड के विभिन्न तरीके

वेबसाइट हैक / Data Breaches

your website has been hacked !

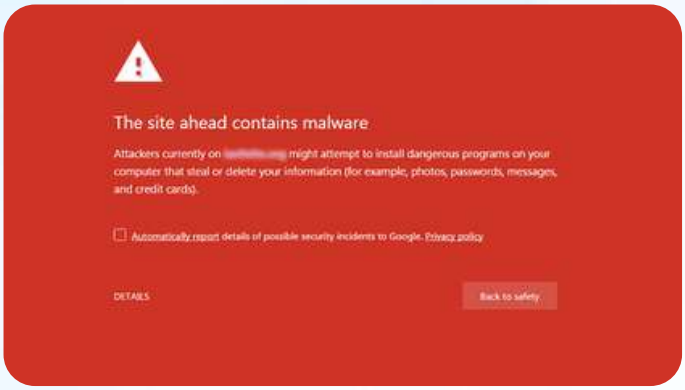

अक्सर हम लोग ऑनलाइन पेमेंट करते समय अपनी कार्ड की जानकारी वेबसाइट और इंटरनेट एक्स्प्लोरर / गूगल क्रोम/फायर-फोक्स/सफारी ब्राउज़र पर अपनी डिटेल्स सेव कर देते है और जब वेबसाइट/ब्राउज़र किसी तकनिकी खामिया के वजह से हैक होता है तो क्रेडिट/डेबिट कार्ड की डिटेल्स हैकर के पास चला जाता है।

Data breach से संबंधित कुछ खबरे

खबरों को पढ़ने के लिए आप नीचे दिए पोस्टर पर क्लिक या QR को स्कैन करे।

असली व नकली कार्डर

REAL VS FAKE

असली और नकली कार्डर में क्या अंतर है ?

असली कार्डर आपके पास कभी नहीं आएगा और अपनी पहचान जाहिर नहीं करेगा। वह चुपचाप उत्पादों को खरीदेगा और उन्हें बाजार में दोबारा बेचेगा।

VS

नकली कार्डर, असली कार्डर होने का दिखावा करते हैं, वे केवल आपसे किसी तरीके को अपनाकर पैसे ले लेते हैं और भाग जाते हैं।

परन्तु दोनो ही स्थितियों में स्कैम होता है, असली कार्डर किसी अन्य के पैसे लेने के पश्चात किसी अन्य व्यक्ति को लाभ पहुंचाते है, वही नकली वाले प्रोसेसिंग फिस के नाम पर पैसे लेके फरार हो जाते है।

ठगी का तरीका

पहला तरीका

ज्यादातर नकली कार्डर से मुलाकात इंस्टाग्राम या टेलीग्राम के माध्यम से होता है, जैसे ही आप उनके लुभावने ऑफर (Ad) को देख कर मैसेज करते है तो कुछ इस तरह से आपके साथ स्कैम किया जाता है -

1

"हैलो सर ! मैं एक कार्डर हूँ और मैं आपको सिर्फ 10,000 रुपये में एप्पल आईफोन 11 बिल्कुल नया दे सकता हूँ । आप हमारे इंस्टाग्राम स्टोरी पर सभी happy customer को देख सकते है। "

2

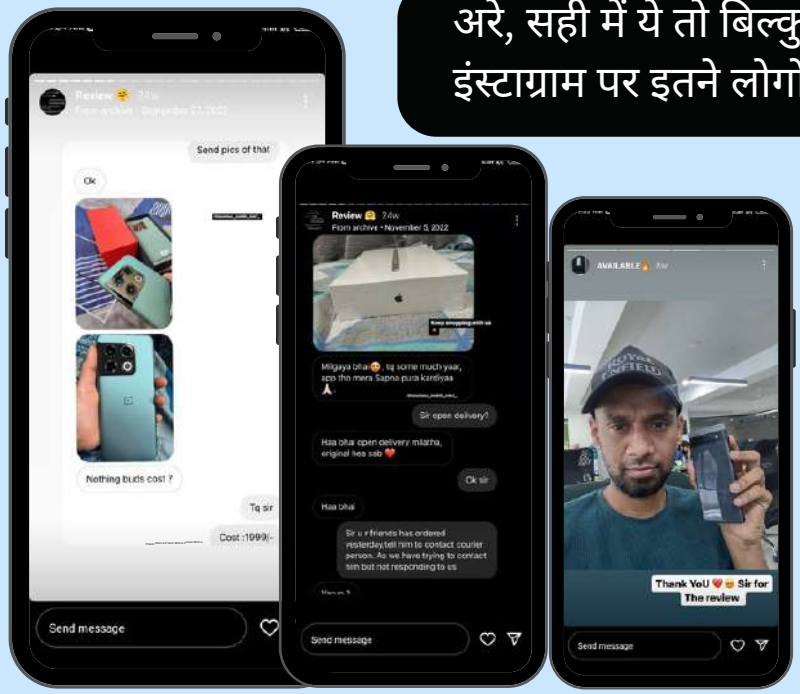

अरे, सही में ये तो बिल्कुल सच बोल रहा, इंस्टाग्राम पर इतने लोगो को मिला है।

ठगी का तरीका

पहला तरीका

और जब आप उनसे i-phone लेने के लिए अपनी इच्छा व्यक्त करते है तो वे -

3

सर आपको मुझे प्रोसेसिंग फीस (प्रसंस्करण शुल्क) के रूप में मात्र 500 रुपये भेजने होंगे।

4

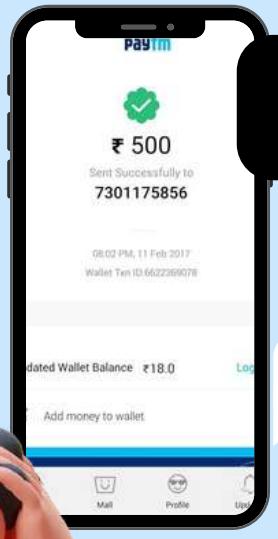

चलो 500 Rs ही है न इतने कम में मुझे i-phone 11 नही मिलेगा।

Transaction complete ✓

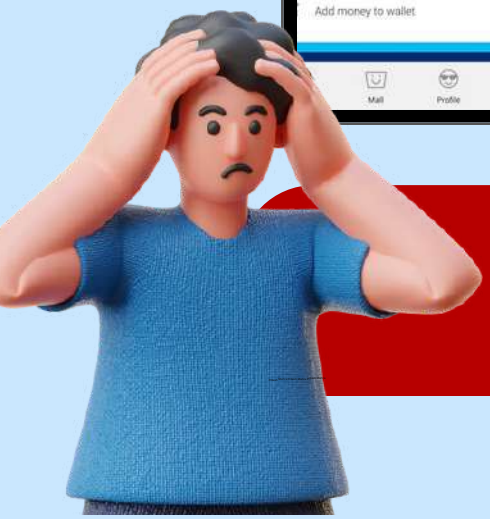

उसके बहकावे में आकर आप इस प्रोसेसिंग फीस का भुगतान कर देते हैं, और फिर तथाकथित कार्डर छु-मंतर छु हो जाता है, फिर कभी उससे संपर्क नहीं हो पाता है और आप उनके शिकार बन जाते है।

दूसरा तरीका

ठगी का तरीका

ये तरीका असली कार्डर अपनाते है जिसे आप नीचे बताये गए उदाहरण को पढ़ने के पश्चात आसानी से समझ पाएँगे

1

इस तरीके में पहले कार्डर क्रेडिट कार्ड का विवरण प्राप्त करते है। विवरण प्राप्त करने के लिए वो फिशिंग, स्किमिंग, फेक वेबसाइट इत्यादि में किसी एक तरीके को अपनाते है।

2

क्रेडिट कार्ड के विवरण प्राप्त हो जाने के बाद अपराधी आमतौर पर कुछ वेबसाइटों पर एक छोटी सी खरीदारी करके देखते है अगर यह सफल हो जाता है तो इस कदम को आगे अंजाम देते हैं।

ठगी का तरीका

दूसरा तरीका

3

अब अपराधी विभिन्न वेबसाइटों से सामान या सेवाएं खरीदने के लिए चुराये गये कार्ड विवरण का उपयोग करते हैं और अन्य लोगो को ऑनलाइन बेचकर पैसे कमाते है।

4

अंत में, साइबर अपराधी अवैध रूप से प्राप्त नकदी को स्थानांतरित करने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग के विभिन्न तरीको का उपयोग करते हैं और चुराये गए कार्ड का जानकारी डार्क वेब और अवैध मार्किट में बेच देते हैं।

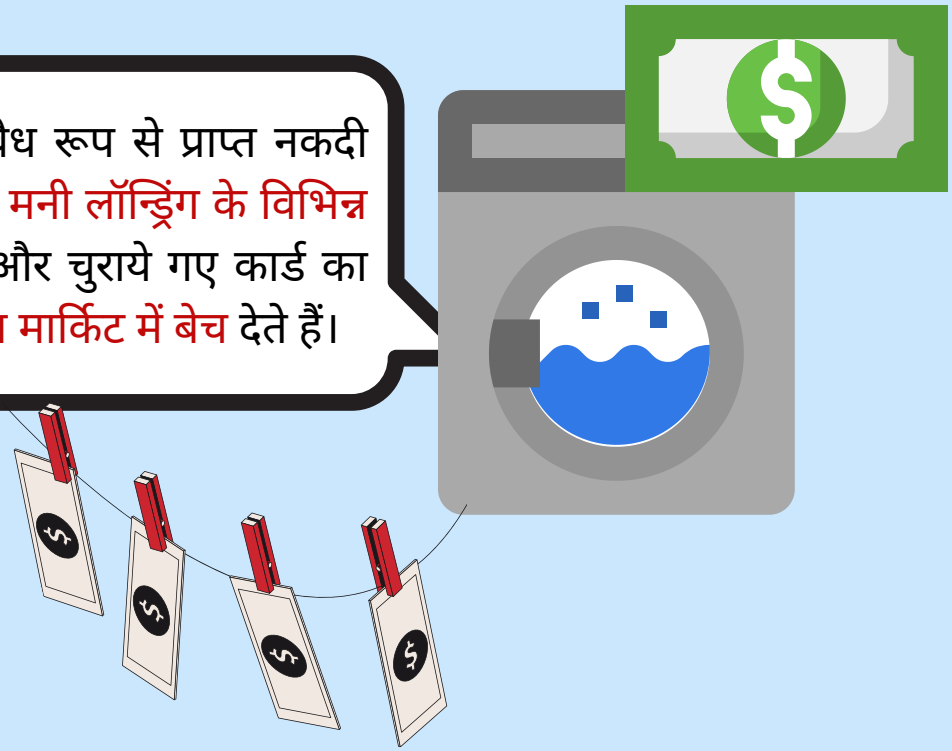

साइबर सुरक्षा टिप्स

केवल विश्वसनीय वेबसाइटों से ही ऑनलाइन खरीदारी करें और अपनी क्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी वेबसाइट और इंटरनेट ब्राउज़र में कभी भी सेव न करे।

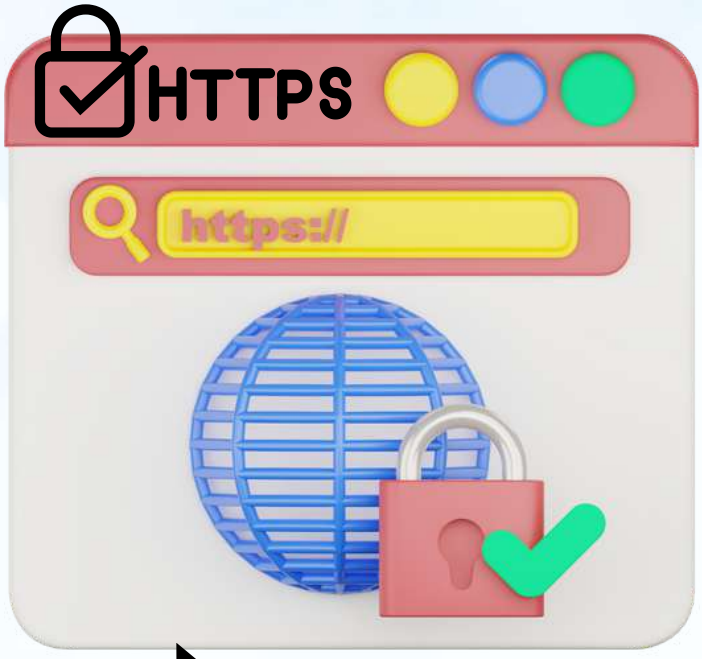

Secured Website

अपने ऑनलाइन खातों के लिए मजबूत पासवर्ड उपयोग करें और कई खातों पर एक ही पासवर्ड का उपयोग न करें। Ex- @Xyz#243

Strong Password

Bank details जैसे Card Details, CVV, OTP, Pin इत्यादि किसी भी व्यक्ति चाहे वो बैंक का कर्मचारी ही क्यों न हो, के साथ साझा न करे।

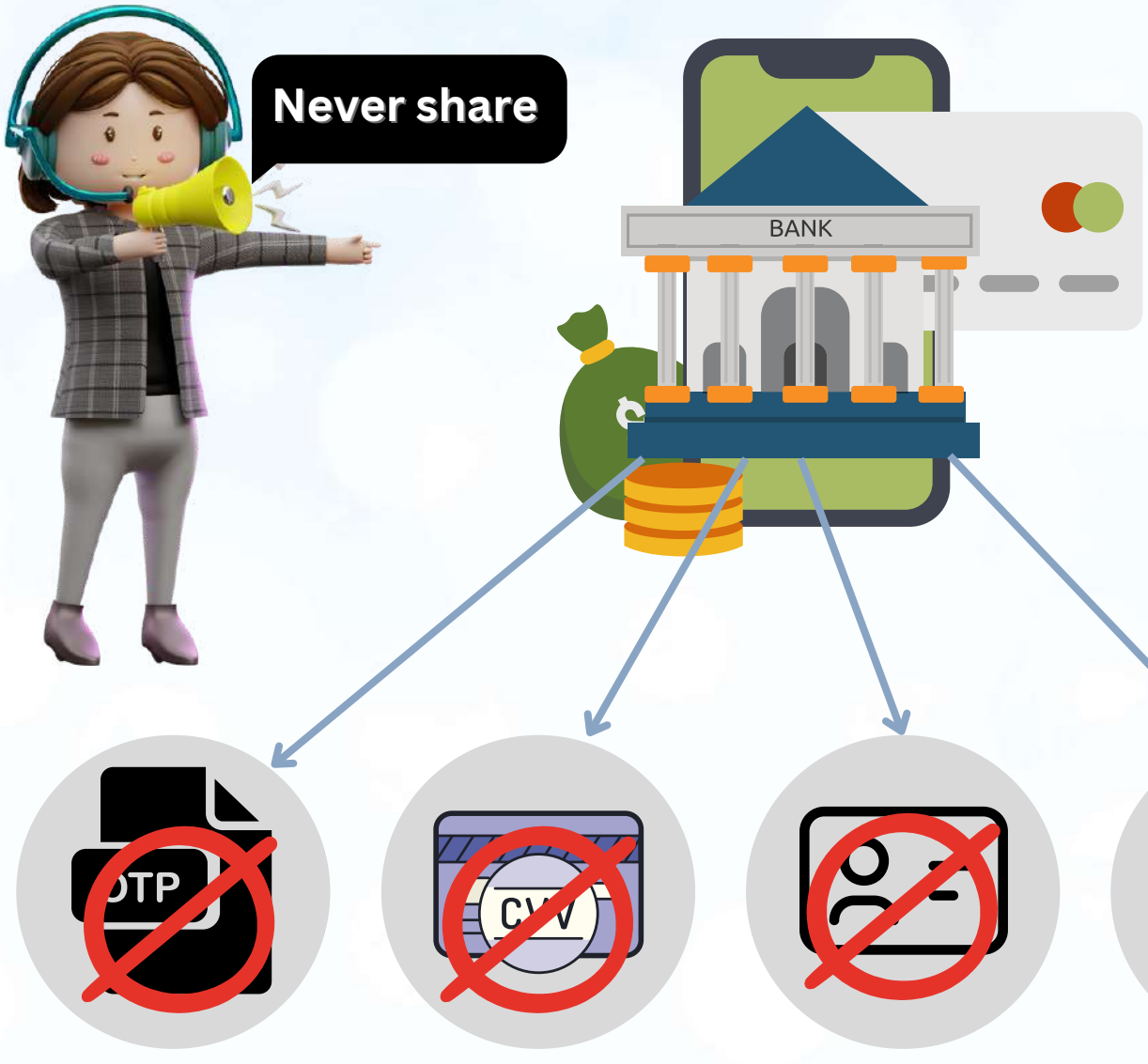

साइबर सुरक्षा टिप्स

नियमित रूप से अपने क्रेडिट कार्ड की स्टेटमेंट को जरूर देखे।

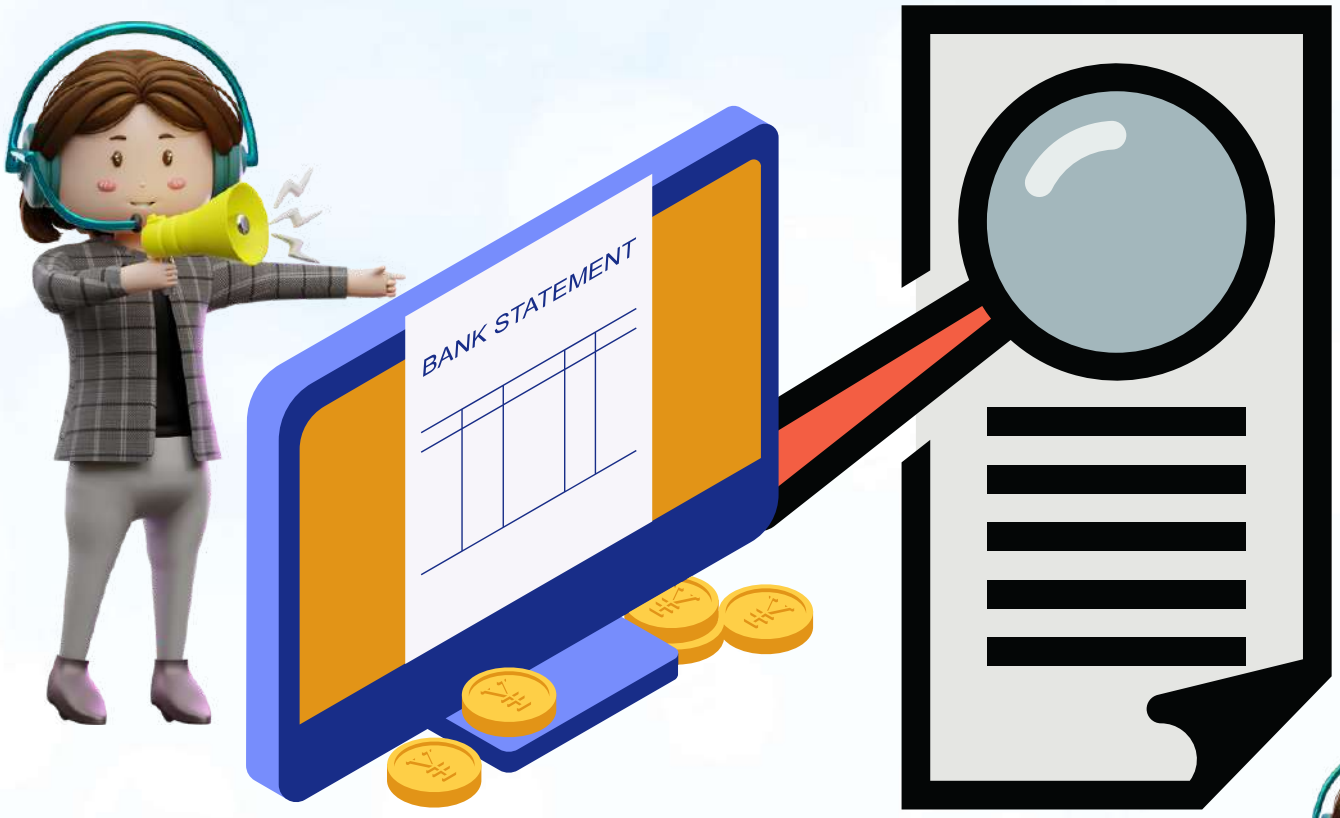

अनधिकृत शुल्क (unauthorized transactions) या बिना जानकारी के निकासी होने पर इसकी सूचना अपने सम्बंधित बैंक को क्रेडिट कार्ड के पीछे दिए गए कस्टमर हेल्प लाइन पर जरूर करे | फ्रॉड ट्रांसक्शन्स होने पर इसकी **शिकायत 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन** नंबर जरूर करे |

साइबर सुरक्षा टिप्स

यदि कोई भी संदेश आपको प्राप्त हो जो आवश्यक भी लगे परंतु संदेहजनक भी तो आप कॉलकम से संपर्क कर उसकी जानकारी ले सकते है।

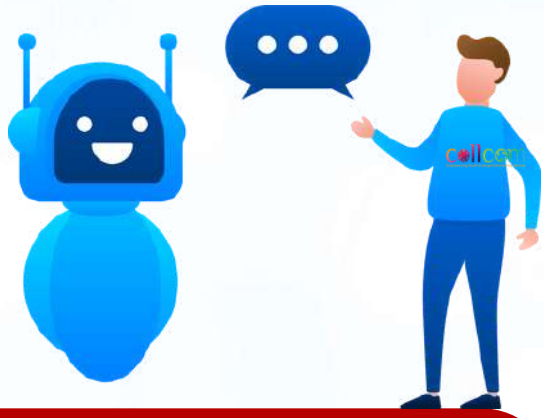

आपको यहाँ से अपने शंकाओं का समाधान मिल सकता है और साथ ही आप हमारे साथ मिलकर लोगो को सशक्त और जागरूक बनाने के लिए भी वालंटियर या इंटर्न बनकर काम कर सकते है ।

Join us a **Volunteer** or **Intern**,
Type **Join** and send it on **WhatsApp**

+91-9868189955

नि:शुल्क ऑनलाइन साइबर प्रशिक्षण

- आजकल इसी प्रकार से अनेकों साइबर अपराध तेजी से प्रसारित हो रहे, जिसे देखते हुए हमने आपके लिए बिल्कुल फ्री में साइबर प्रशिक्षण महा-अभियान चलाया है जिसमे आप ऐसे साइबर अपराध से बचने के तरीको के बारे में सीख पाएंगे।

- साथ ही एक आकर्षक सर्टिफिकेट भी प्राप्त होगा।

यदि आपने अभी तक इस प्रशिक्षण में भाग नही लिया तो एक बार अवश्य ले।

- हिंदी में साइबर प्रशिक्षण- https://forms.gle/AJajaozGwTjLPExC7

- Cyber Training in English- https://forms.gle/8LyAQPWPucn8LHir8

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

यदि आप इस तरह के फ्रॉड के शिकार हो जाते है तो तुरंत ही आप सभी chat, भेजे गए डॉक्यूमेंट, और भेजे गए पैसों के स्क्रीन शॉट के साथ www.cybercrime.gov.in or 1930 पर संपर्क कर घर बैठे बैठे अपनी शिकायत दर्ज करे । ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने के लिए आपको साइबर पुलिस स्टेशन जाने की जरूरत नहीं होती है ।

शिकायत दर्ज करने के लिए यहां क्लिक करे और आगे के चरण का अनुसरण कर अपनी शिकायत दर्ज करे।

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

अगर आपको ऑनलाइन शिकायत करने में समस्या आती है तो आप अपने शहर के नजदीकी साइबर सेल में भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकते है ताकि आपको जल्द से जल्द समाधान मिल सके।

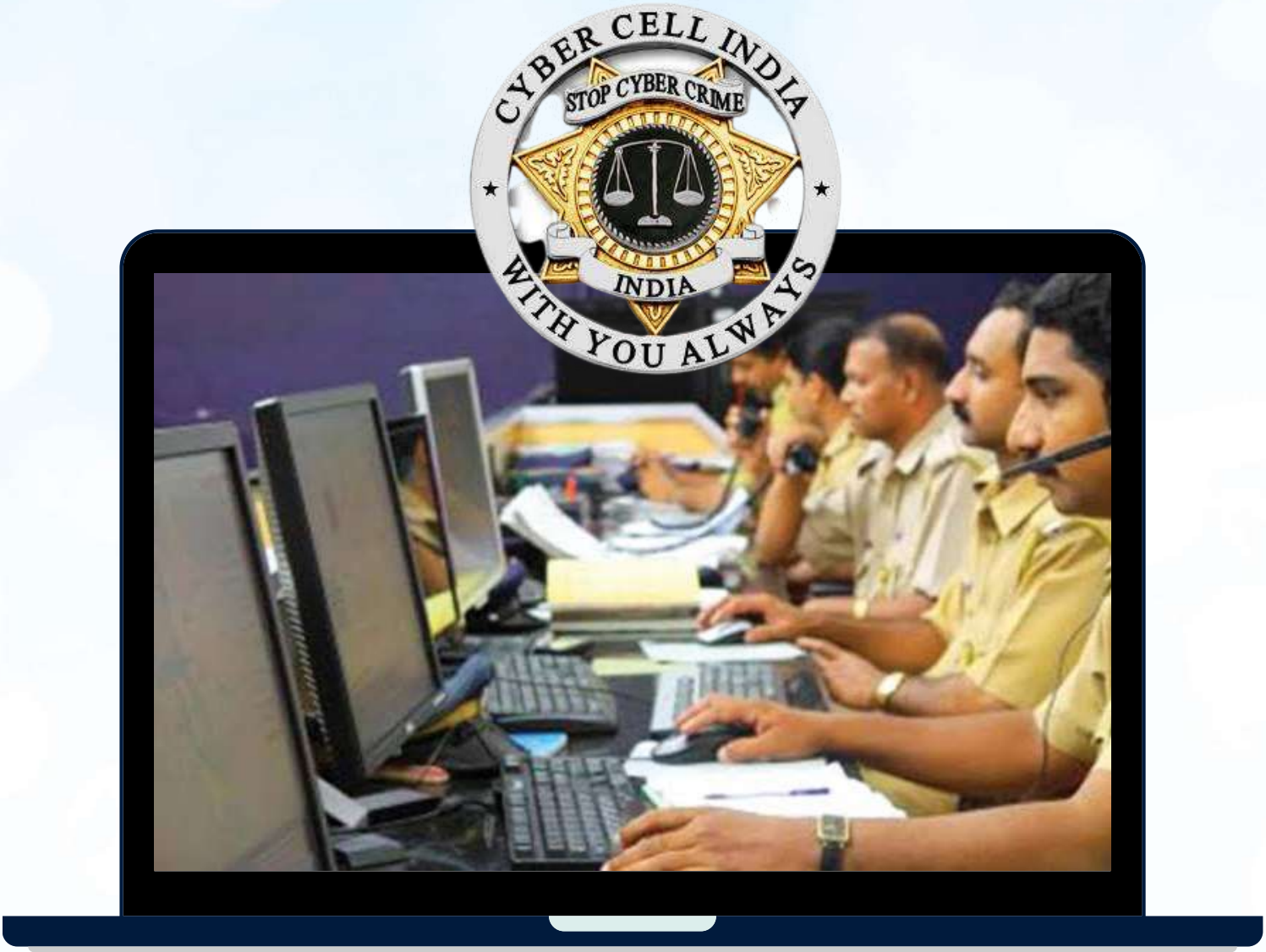

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

संबंधित बैंक में जाकर/हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करे।

(नीचे कुछ बैंक के हेल्पलाइन नंबर दिए गये है।)

Union Bank - 1800222244

SBI- 1800 11 221

ICICI - 1860 120 777

HDFC - 1800 258 616

Axis - 1860 419 5555171

ध्यान रहे ! हेल्पलाइन नंबर कभी गूगल पर सर्च न करे, संबंधित official website से ही प्राप्त करे ।

फ्रॉड होने की स्थिति में क्या करे ?

RBI कहता है..

फ्रॉड होने की स्थिति में अपने बैंक को तुरंत सूचित करें। अधिक जानकारी के लिए 14440 पर मिस्ड कॉल दें।

अगर आपके **बैंक खाते से किसी ने धोखे से पैसे** निकाले हैं तो इसकी सूचना तुरंत अपने बैंक को दें। जब आप बैंक को सूचित करते हैं, तो अपने बैंक से **पावती (acknowledgement)** लेना याद रखें।

यदि लेन-देन आपकी लापरवाही के कारण हुआ है, यानी आपके द्वारा अपना पासवर्ड, पिन, ओटीपी आदि साझा करने के कारण, आपको तब तक नुकसान उठाना पड़ेगा जब तक आप अपने बैंक को इसकी सूचना नहीं देते।

यदि आपके द्वारा बैंक को सूचित करने के बाद भी कपटपूर्ण लेन-देन जारी रहता है, तो आपके **बैंक को उन राशियों की प्रतिपूर्ति करनी होगी।**

यदि आप रिपोर्टिंग में देरी करते हैं, तो आपका घाटा बढ़ जाएगा और यह **आरबीआई के दिशानिर्देशों और आपके बैंक के बोर्ड द्वारा** अनुमोदित राशि **नीति के आधार पर तय किया जाएगा।**

बैंक को आपकी शिकायत प्राप्ति की तारीख से **90 दिनों के भीतर सुलझानी** होती है, अगर **समाधान न होने पर या संतोष जनक जवाब न मिलने पर** शिकायतकर्ता बैंक की **शिकायत बैंक के ओम्बड्समैन** को भी कर सकता है। इसकी जानकारी आप यहाँ से (RBI) ले सकते है।

https://rbi.org.in/scripts/FAQView.aspx?Id=24

collcom
Empowering Youth through Community Service

सावधान रहें सुरक्षित रहे!

अपने मित्रों व रिश्तेदारों के साथ इस मैगज़ीन को शेयर जरूर करे ।

हमसे लगातार साइबर अपडेट्स पाने के लिए इस QR कोड को स्कैन कर, और हमारे आधिकारिक चैनल/ग्रुप को सब्सक्राइब करे।

SUBSCRIBE

WhatsApp

Telegram

Click to Check Out some interesting video on YouTube

https://www.youtube.com/@collcom

For volunteering, Type **Join** and Send it on **WhatsApp +91-9868189955**

संस्थापक के बारे में

DR GAURAV KUMAR

(Founder and Director of CollCom, Asst Prof at Bennett University, Greater Noida)

डॉ गौरव वर्तमान में बेनेट विश्वविद्यालय (टाइम्स ग्रुप), ग्रेटर नॉएडा, उत्तर प्रदेश में कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। वह एक सामाजिक उद्यमी और CollCom (कॉलेज कम्युनिटी सोशल वेंचर) के संस्थापक और राष्ट्रीय सेवा योजना बेनेट विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी भी है।

डॉ कुमार हमारे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से कंप्यूटर विज्ञान में एम.टेक और पीएचडी पूरी की है। अपनी शिक्षा के दौरान, वह सामाजिक गतिविधियों में काफी सक्रिय थे जैसे स्लम बस्ती में बच्चों को पढ़ाना, Waste मैनेजमेंट, वृक्षारोपण अभियान, रक्त दान, स्वास्थ्य, योग और फिटनेस के लिए सभी को जागरूक करना जैसे विषय पर काफी काम किया है।

उनके इस अथक प्रयास के लिए उन्हें विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक पुरस्कार और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवी (बेस्ट वालंटियर अवार्ड) का पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

कोविड के समय में डॉ कुमार शांत नहीं बैठे। उन्होंने प्लाज्मा और ऑक्सीजन सपोर्ट के लिए लोगों की मदद करने का काम शुरू किया। उन्होंने देखा हर व्यक्ति बच्चा से बूढ़ा सभी लोग अपने दैनिक कार्य करने के लिए इंटरनेट पर निर्भर होते जा रहे है। जल्द ही, उन्हें इंटरनेट की दुनिया में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध के बारे में जागरूकता की कमी के महत्व का एहसास हुआ।

उन्होंने साइबर अपराध जागरूकता पर एक मेगा अभियान शुरू किया। उन्होंने विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन) का दौरा करना शुरू किया और साइबर अपराध जागरूकता पर 35 से अधिक कार्यशालाएँ की। उन्होंने एक छोटा और बहुत ही अभिनव ऑनलाइन सेल्फ गाइड साइबर क्राइम अवेयरनेस ट्रेनिंग मॉड्यूल विकसित किया, जिसमें अभी तक 52,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए।

उनका लक्ष्य अगले दो वर्षों में हमारे देश के 10 लाख लोगों को इंटरनेट की दुनिया में सशक्त बनाना है।

संपादक के संदेश..

MR. PRITESH MISHRA

(National Coordinator, CollCom)

किसी व्यक्ति के साथ फ्रॉड होने का अर्थ ये कदापि नही है की वो शिक्षित नही है, केवल सीधा सा अर्थ है वो उस बात से अनभिज्ञ / जागरूक नही था। अत फ्रॉड होने के स्थिति में आप सबसे पहले जरा भी न घबराए, परिवार वाले डाटेंगे या मित्र क्या कहेंगे ? ये कदापि न सोचे या कोई भी गलत फैसला न ले, समय रहते यदि आप शिकायत दर्ज करवा देते है तो आपके पैसे मिलने के अवसर बढ़ जाते है।

अब तो RBI के दिशा निर्देश के अनुसार आप फ्रॉड होने के तुरंत बाद यदि अपने संबंधित बैंक में शिकायत दर्ज कराते है तो वो आपको 90 दिन के भीतर ही आपकी समस्या सुलझा देते है। परंतु आप को यहां तक पहुंचने की आवश्यकता ही क्या है बस थोड़ी सी सावधानी के साथ आप अपने और अपने से संबंधित लोगो को साइबर अपराध से बचा सकते है।

एक फ्रॉडस्टर आपसे OTP और pin को निकलवाने के विभिन्न तरीके अपनाता है, आप देखेंगे कि अंततोगत्वा वो आपसे पैसे की मांग करते है, चाहे वो रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में हो या कंपनी से जुड़ने के आईडी कार्ड बनानी हो, बस आपको यही समझना है की किसी भी नौकरी से जुड़ने के लिए आपको किसी भी प्रकार से पैसे देने की आवश्यकता नही होती है।

समय समय पर आपको साइबर से संबंधित जानकारी हम अपने ऑफिशियल वेबसाइट/सोशल मीडिया/यूट्यूब वीडियो के माध्यम से साझा करते रहेगें।

जागरूक रहे सुरक्षित रहे !

सलाहकार सदस्य

Dr Anil Kumar Singh
(Asst. Professor, SLL&CS, Jawaharlal Nehru University)

Shri Anshumali Sharma
(Ex-State Liason Officer (SLO) Nataional Service Scheme, Uttar Pradesh)

Dr. Sanjeev Sharma
(Associate Professor, Dr Ambedkar International Centre, New Delhi)

Shri Gautam Kumar
(Executive Engineer, WRD, Govt of Bihar)

Shri Amrish Kumar Niranjan
(Youth Assistant, NSS, Delhi)

Shri Sintoo Kumar
(TGT Teacher, Govt of Delhi)

Shri OP Mishra
(Entrepreneur and Director of Jetex Infotech)

Shri Ranjan Kumar
(Senior Product Manager, Microsoft)

कार्यकारी सदस्य

Dr Gaurav Kumar
(Founder and Director, CollCom)

Shri Satya Kumar
(Co-Founder of CollCom and Director of Jetex Group)

Mr Priteesh Kumar
(Co-founder & Asst. Director, CollCom)

Mr Pritesh Mishra
(National Coordinator, CollCom)

Mr Sumit Kumar
(State Coordinator, CollCom)

Ms Shweta Kumari
(Social Media Head, CollCom)